

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र - १

परीक्षा : अप्रैल/मई - २०२६

विषय : आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी (HDS - 101)

दि.: ०७/०५/२०२६

कुल अंक : १००

समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

-
- प्र. १ 'विपात्र' उपन्यास की कथावस्तु को संक्षेप में स्पष्ट करते हुए, उसमें वर्णित समस्याओं को विशद कीजिए।
- प्र. २ 'विपात्र' उपन्यास में चित्रित चरित्रों की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ३ 'विपात्र' उपन्यास अपने आप में अनूठा और परंपरा से हटकर लिखा गया उपन्यास है-उपन्यास के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ४ छोटे महाराज के जीवन संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ५ 'अकेली' कहानी की कथावस्तु को लिखिए।
- प्र. ६ 'पेपरवेट' कहानी में चित्रित भ्रष्ट राजनीतिक षड्यंत्र को सोदाहरण विशद कीजिए।
- प्र. ७ लेखक ने अपने आँगन के अमरूद के पेड़ के संदर्भ में कौन-कौनसे विचार व्यक्त किए हैं?
- प्र. ८ 'गीतारहस्य' में अभिव्यक्त कर्मयोगशास्त्र के दर्शन को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए।
- १) 'तुम जितना ऊपर चढ़ते हो, अपने सगों से दूर क्यों हटते जाते हो?'
 - २) न आकाश से पानी बरसता है, न जमीन से बीज फूटता है।
 - ३) धर्म से ही अर्थ और काम की प्राप्ति होती है, इस प्रकार के धर्म का आचरण तुम क्यों नहीं करते हो?
 - ४) उन के जो कर्म अच्छे हैं, उन्हीं का आचरण करो, बाकी छोड़ दो।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) 'विपात्र' शीर्षक की सार्थकता
 - २) नन्हें
 - ३) भोला बाबू
 - ४) कर्म-अकर्म।
-